मोरारजी देसाई आवासीय पाठशाला,रांपूर

प्रथम उपलब्धि परीक्षा [F A-I]

कक्षा:10 वी **विषय:हिन्दी** **अंक:20**

I. निम्नलिखित प्रश्नों मे से सही उत्तर चुनकर लीखिए: **2x1=2**

1. **"इमान"** शब्द का विलोम _____ है।
   A) सामना B) असमान C) मान D) बेईमान
2. **"गमला"** इस पद का वचन बदलिए है-
   A) गम B) गमली C) गमले D) गमली

II. प्रथम दो पदों से सूचित संबंधों के अनुरूप तीसरा पद से संबंधित पद लिखिए: **2x1=2**

1. हस्त :हाथ :: पताका : .....
2. मातृभूमि :कविता :: गिल्लू : .....

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्यों में लिखिए: **2x1=2**

1. स्वाद में सेब किस से बढकर नही हैं?
2. भारत माँ के हाथों में क्या है ?

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए: **2x2=4**

1. कश्मीर सेब पाठ से आपको क्या सिख मिलता है ?
2. दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है ?

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 4-5 वाक्यों में लिखिए। **1x3=6**

1. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा का ममता का वर्णन कीजिए ?
2. आधुनिक मानव की भौतिक साधना का विवरण किविता के आधार पर कीजिए।

VI. द्यभाग पूर्ण कीजिए : **1x4=4**

1. हरे-भरे है खेत --------

   ----------शत-शत बार प्रणाम।

मोरारजी देसाई आवासीय पाठशाला,रांपूर

प्रतिदर्श उत्तर पत्रिका [key Answer]

कक्षा:10 वी **विषय:हिन्दी** **अंक:20**

I.

1. असमान
2. गमले

II.

1. झंडा
2. रेखचित्र

III.

1. स्वाद में सेब आम से बढकर नही हैं ।
2. भारत माँ के हाथों में एक हाथ में न्याय-पताका दूसरी ज्ञान- दीप है ।

IV.

1. खरीदारी करते समय सावधनी से रहना चाहिए।नही तो आपके साथ भी धोखेबाजी हो सकता है । कश्मीरी सेब पाठ से यह सिख मिलती है ।
2. दिनकर जी के अनुसार , जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाता वही मानव का सही पहचान है ।

V.

1. महादेवी वर्मा के पास बहुत से पशु-पक्षी थे। और उनका लगाव भी उन्हें कम नहीं था। परन्तु उनमें से गिल्लू पर महादेवी वर्माजी को ज्यादा प्यार था। महादेवी वर्मा प्यार के साथ खाना खिलाती है और खाना खाने की तरीका सिखातीहै। जब गिल्लू की जीवन- यात्रा का अंत आ गया। तब उसके पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने उसे हीटर जलाया और उसे उष्ठता देने का प्रयत्न किया। सोनजुही लता के नीचे गिल्लू की समाधि बनाया गया,क्योंकि उन्हें आशा,विस्वास था कि किसी वासन्ती के दिन,जूही के पीताभ छोटे फूल के रूप में खिल जाये । इन घटनाओं से पता चलता है कि महादेवी वर्माजी को गिल्लू के प्रति अधिक ममता थी।

2. आधुनिक मानव ने हर तत्व पर विजय प्राप्त कर लि है ।वह नदि,पर्वत,सागर,पार कर सकता है ।उसका यान आकाश में जा रहा है ।वह परमाणु प्रयोग भी कर रहा है ।उसकी बौद्दिक क्षमता असीमित है ।

VI.

1. हरे-भरे है खेत सुहाने
   फल-फुलों से युत वन-उपवन,
   तेरे अंदर भरा हुआ है
   खनिजों का कितना व्यापक धन ।
   मुक्त-हस्त तू बाँट रही है
   सुख-संपत्ति धन-धाम
   मतृ-भू, शत-शत बार प्रणाम ।